

(9) ट्रेड—पुस्तकालय विज्ञान

1—उद्देश्य—

- (1) एक ही पुस्तकालय कर्मी द्वारा चलाये जाने वाले पुस्तकालय की स्थापना करने, उसके संगठन, संचालन तथा व्यवस्था की योजना बनाने लायक दक्षता प्रदान करना।
- (2) मध्यम आकार के पुस्तकालय में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में कार्य कर पाने की दक्षता प्रदान करना।
- (3) किसी बड़े पुस्तकालय में पुस्तकालय सहायक के रूप में कार्य करने लायक दक्षता प्रदान करना।
- (4) पुस्तकालय के विभिन्न अनुभागों में कार्य कर पाने लायक दक्षता प्रदान करना।

2—रोजगार के अवसर—

(क) वेतन भोगी रोजगार—

1—ग्रामीण पुस्तकालय कम्प्यूनिटी सेन्टर, प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र, अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र तथा पंचायत पुस्तकालयों में मुख्य हस्तान्तरण।

2—माध्यमिक विद्यालयों, ब्लाक, तहसील, तालुका पुस्तकालय में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष।

3—माध्यमिक विद्यालयों, ब्लाक, तहसील, तालुका पुस्तकालयों में वर्गीकरण सहायक।

4—कैटलागर।

5—पुस्तकालय सहायक।

6—लैंडिंग सहायक।

7—प्रतिछायांकन सहायक।

8—पुस्तकालय लिपिक।

9—पुस्तक प्रदाता।

10—जेनीटर।

11—पुस्तक संरक्षण सहायक।

(ख) स्वरोजगार—

1—पुस्तकालय लेखन—सामग्री निर्माता एवं पूर्तिकर्ता।

2—पुस्तकालय साज—सज्जा एवं उपकरण।

3—कीटनाशक दवाइयों के विक्रेता।

4—पुस्तकालय परामर्श सेवा।

5—शोध छात्रों के लिये वाङ्मय सूची तैयार करने का व्यवसाय।

6—प्रतिछायांकन का व्यवसाय।

7—पुस्तक विक्रय व्यवसाय।

पाठ्यक्रम—

इस ट्रेड में तीन-तीन घंटे के पांच प्रश्न-पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा :

	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
(क) सैद्धान्तिक—		
प्रथम प्रश्न-पत्र	60	20
द्वितीय प्रश्न-पत्र	60	20
तृतीय प्रश्न-पत्र	60	20
चतुर्थ प्रश्न-पत्र	60	20
पंचम प्रश्न-पत्र	60	20
(ख) प्रयोगात्मक—		
आन्तरिक परीक्षा	200	200
वाह्य परीक्षा	200	200

नोट—परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न-पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

- 1—संचालन—1—विषय प्रवेश, पुस्तकालय संचालन के सामान्य सिद्धान्त, पुस्तकालय समिति, पुस्तकालय 30
अध्ययन सामग्री, चयन एवं क्रयादेश, उपयोग के लिये सुनियोजन, वल्क व्यवस्था एवं प्रदर्शन,
पुस्तकालय में निर्गम—आगम प्रणाली।
- 2—पत्र—पत्रिकायें एवं अन्य अध्ययन सामग्री, सन्दर्भ सेवा की व्यवस्था, संख्या सत्यापन, सांख्यिकी, 30
आय—व्ययक तथा आर्थिक विवरण, वार्षिक प्रतिवेदन।

द्वितीय प्रश्न—पत्र

संदर्भ सेवा/वाङ्मय सूची एवं डाक्यूमेन्टेशन (सैद्धान्तिक),

द्वितीय प्रश्न—पत्र

- 1—पुस्तकालय विज्ञान के पंच सूत्रों का संदर्भ सेवा, वाङ्मय सूची एवं डाक्यूमेन्टेशन में प्रयोग। 20
- 2—संदर्भ सेवा के प्रकार, अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन संदर्भ सेवा, सामयिक सूचना संदर्भ सेवा, संदर्भ
प्रश्नों के प्रकार। 20
वाङ्मय सूचियों के विभिन्न रूप एवं प्रकार।
वाङ्मय सूची सेवा।
- 3—डाक्यूमेन्टेशन, इंडेक्सिंग, ऐब्सट्रैकिंग एवं रिप्रोग्रैफिक सेवायें। 20

तृतीय प्रश्न—पत्र

पुस्तकालय वर्गीकरण एवं सूचीकरण (सैद्धान्तिक)

- 1—पुस्तक वर्गीकरण, पद्धतियों का विकास, प्रमुख पुस्तक वर्गीकरण, पद्धतियों का संक्षिप्त परिचय
तथा ड्युई दशमलव पद्धति एवं द्विबिन्दु का अध्ययन। 20
- 2—सूचीकरण—1—विषय प्रवेश, सूची का अर्थ एवं परिभाषा, आवश्यकता, महत्व एवं उद्देश्य, सूची
के स्वरूप, सूची के भेद (प्रकार), सूची संलेख—अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व, संलेख के प्रकार, विभिन्न संलेखों
की प्रविष्टियां, प्रविष्टियों के सूचक स्रोत। 20
- 3—विषय शीर्षक संलेख, विश्लेषणात्मक संलेख, सूची संहिताओं का विकास एवं प्रमुख संहिताओं का
संक्षिप्त अध्ययन, सूचीकरण के उपकरण, संलेखों का व्यवस्थापन, केन्द्रीयकृत एवं सहकारी सूचीकरण, संघ
सूची। 20

चतुर्थ प्रश्न—पत्र

- 1—(1) दशमलव वर्गीकरण प्रणाली का प्रायोगिक कार्य। 30
(2) दशमलव वर्गीकरण के अनुसार अंकों को जोड़ कर शीर्षक निर्माण।
(3) अंकानुक्रम बनाना।
- 2—(1) निर्धारित वर्गीकरण पद्धति द्वारा वर्गांक बनाना। 30
(2) वर्गांकों को चुन कर सही आंकलन करना।
(3) तालिका एवं सारिणी द्वारा रूप रेखा तैयार करना।

पंचम प्रश्न—पत्र

- इकाई—1** 30 अंक
- 1—सूची पत्रक का प्रारूप तैयार करना।
2—एंग्लो अमेरिकन कैटलाग रुल्स—2 के अनुसार सूचीकरण।
3—लिस्ट आफ सब्जेक्ट हेडिंग का प्रयोग।

- इकाई—2** 30 अंक
- 1—लेखक का नाम मुख्य संलेख में इन्ट्री करना।
2—वर्गांकों की क्रमानुसार लिखना।
3—A.A.C.R.-2 द्वारा ट्रेसिंग ज्ञात करना।

प्रायोगिक सूचीकरण ए0ए0सी0आर0—2 संहिता के अनुसार कराया जायेगा। विषय शीर्षक के निर्माण हेतु शेरर लिस्ट आफ सब्जेक्ट ट्रेसिंग के अद्यतन संस्करण का प्रयोग किया जायेगा।

नोट—1—यह प्रश्न—पत्र भी अन्य प्रश्न—पत्रों की भांति होगा।

2—इस प्रश्न—पत्र हेतु उत्तर—पुस्तिका में एक ओर 3"×5" सूची—पत्र का प्रारूप मुद्रित होना चाहिये।
प्रारूप का नमूना निम्नवत् है—

3"

यदि उपरोक्त प्रारूप को उत्तर-पुस्तिका पर मुद्रित कराना सम्भव न हो तो प्रत्येक परीक्षार्थी को वांछित संख्या से सूची-पत्रक उपलब्ध कराया जायेगा।

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम एवं पता	संस्करण पुनर्मुद्रण वर्ष	मूल्य
1	2	3	4	5	6
					रुपया
3	पुस्तकालय वर्गीकरण सिद्धान्त और प्रयोग	द्वारका प्रसाद शास्त्री	साहित्य भवन प्रा०लि०, इलाहाबाद (वितरक—विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)	1987	30.00
4	पुस्तक चयन और संदर्भ सेवा	"	"	1985	16.00
5	सूचीकरण के सिद्धान्त	गिरिजा कुमार, कृष्ण कुमार	वाणी एजूकोन बुक्स, दिल्ली (वितरक—विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)	1984	35.00
6	पुस्तकालय संगठन एवं प्रशासन	डा० राम शोभित प्रसाद सिंह	बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना (वितरक—विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)	1987	40.00
7	प्रलेखीय ग्रन्थ वर्णन	एस०टी० मूर्ति	मध्य प्रदेश हिन्दी अकादमी, भोपाल	1981	18.00
8	पुस्तकालय संगठन एवं संचालन	सुभाष चन्द्र वर्मा एवं श्याम नारायण श्रीवास्तव	राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी	1988	30.00
9	ग्रन्थालय संचालन तथा प्रशासन	श्याम सुन्दर अग्रवाल	श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, हास्पिटल रोड, आगरा	1989	70.00
10	पुस्तकालय विज्ञान कोष	प्रभु नारायण गौड़	बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्	1961	13.50
11	विद्यालय पुस्तकालय	प्रभु नारायण गौड़	बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना	1977	09.50
12	पुस्तकालय विज्ञान परिचय	द्वारका प्रसाद शास्त्री	साहित्य भवन प्रा०लि०, इलाहाबाद (वितरक—विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)	1988	30.00
13	पुस्तक चयन एवं रचना	चन्द्र कान्त शर्मा	"	1975	25.00
14	वाङ्मय सूची और प्रलेखन	द्वारका प्रसाद शास्त्री	"	1983	25.00
15	पुस्तकालय वर्गीकरण सिद्धान्त एवं प्रयोग	भास्करनाथ तिवारी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी	1983	30.00
16	पुस्तक वर्गीकरण	भास्करनाथ तिवारी	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	1983	30.00
17	पुस्तक सूचीकरण सिद्धान्त	भास्करनाथ तिवारी	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	1983	25.00
18	संदर्भ सेवा	भास्करनाथ तिवारी	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	1983	15.00
19	पुस्तकालय परिचय	द्वारका प्रसाद शास्त्री	विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी	1983	15.00

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

1—सन्दर्भ सेवा प्रायोगिक—

संदर्भ सामग्री का मूल्यांकन करना
विभिन्न प्रकार की वाङ्मय सूचियाँ तैयार करना
फिजिकल विविलियोग्राफीज का ज्ञान करना
डाक्यूमेन्टेशन के सोर्स मैटीरियल छात्रों को दिखाकर उनका परिचय कराना

2—सन्दर्भ सेवा "वाङ्मय सूची एवं डाक्यूमेन्टेशन (प्रायोगिक)"—

200 अंक

डाक्यूमेन्टेशन लिस्ट तैयार करना
इन्डेक्सिंग करना
ऐक्सट्रेक्टिंग करना
विविलियोग्राफी तैयार करना
सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा आन्तरिक एवं वाह्य
आन्तरिक परीक्षा
सत्रीय कार्यों पर
कार्य स्थल (प्रयोगशाला)
परीक्षक द्वारा
वाह्य परीक्षा

प्रयोग एवं मौखिक—

200 अंक

- 1—वर्गीकरण प्रायोगिक
- 2—सूचीकरण प्रायोगिक
- 3—सन्दर्भ सेवा, वाङ्मय सूची
- 4—मौखिक

नोट—(1) सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम प्रश्न-पत्रों में निर्धारित पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत ही ली जायेगी।

(2) प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक पाना आवश्यक है।

संस्तुत पुस्तकें—

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम एवं पता	संस्करण पुनर्मुद्रण वर्ष	मूल्य
1	2	3	4	5	6
					रुपया
1	ग्रन्थालय वर्गीकरण	डा० जी० डी० भार्गव	मध्य प्रदेश हिन्दी अकादमी, भोपाल (वितरक—विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)	1988	25.00
2	सन्दर्भ सेवा सिद्धान्त और प्रयोग	के० सुन्दरेखन	मध्य प्रदेश हिन्दी अकादमी, भोपाल (वितरक—विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)	1985	30.00

संदर्भ सामग्री, परिभाषा, प्रकार, श्रेणियाँ, विशिष्ट गुण।
संदर्भ सामग्री के मूल्यांकन का सिद्धान्त एवं मूल्यांकन।
विविलियोग्राफी (वाङ्मय सूचियाँ), परिभाषा, आवश्यकता, उद्देश्य, क्षेत्र, प्रकार, फिजिकल विविलियोग्राफी, परिभाषा, आवश्यकता, प्रकार, विधियाँ, डाक्यूमेन्टेशन, परिभाषा, आवश्यकता, प्रकार, शीर्ष-मैटेरियल, कार्यविधि, इन्फारमेशन सेन्टर-यूनेस्को, विनीत, आई०बी०, इफला, इल्सडाक।

2—पुस्तकालय विज्ञान के पंच सूत्रों का संदर्भ सेवा, वाङ्मय सूची एवं डाक्यूमेन्टेशन में प्रयोग।

संदर्भ सेवा के प्रकार, संदर्भ प्रश्नों के प्रकार, संदर्भ पुस्तकालयाध्यक्षों की योग्यताएँ एवं गुण।

वाङ्मय सूचियों के विभिन्न रूप एवं प्रकार।

वाङ्मय सूची सेवा।

डाक्यूमेन्टेशन, इन्डेक्सिंग, ऐक्सट्रेक्टिंग एवं रिप्रोग्रैफिक सेवाएँ।